

Dr. Shyama Prasad Mukherjee University

DEPT. OF COMMERCE

B.COM SEM – 2

PAPER: Corporate Law

TOPIC: Membership in a Company

BY: HARSHA

Members of a Company

In the ordinary commercial usage, the term 'Member' denotes a person who holds shares in a company. The members or the shareholders are the real owners of a company. They collectively constitute the company as a corporate body. The ultimate authority in matters relating to the appointment and removal of the directors, auditors and other managerial personnel lies with shareholders. The powers of the Board are also subject to the control and supervision of the general body of the members.

एक कंपनी के सदस्य

सामान्य व्यावसायिक उपयोग में, 'सदस्य' शब्द एक ऐसे व्यक्ति को दर्शाता है जो किसी कंपनी में शेयर रखता है। सदस्य या शेयरधारक किसी कंपनी के असली मालिक होते हैं। वे सामूहिक रूप से एक कॉर्पोरेट निकाय के रूप में कंपनी का गठन करते हैं। निदेशकों, लेखा परीक्षकों और अन्य प्रबंधकीय कर्मियों की नियुक्ति और हटाने से संबंधित मामलों में अंतिम अधिकार शेयरधारकों के पास है। बोर्ड की शक्तियां भी सदस्यों के सामान्य निकाय के नियंत्रण और पर्यवेक्षण के अधीन हैं।

Meaning and Definition/ अर्थ और परिभाषा

The Companies Act divides the members into three classes. According to Sec. 41 of the Companies Act, the three classes of members are:

1. The persons who have subscribed to the Memorandum of a company. वे व्यक्ति जिन्होंने किसी कंपनी के मेमोरेण्डम की सदस्यता ली है।
2. Every other person who has agreed in writing to become a member of the company and whose name has been entered in the Register of Members. हर दूसरा व्यक्ति जो कंपनी का सदस्य बनने के लिए लिखित रूप में सहमत हो गया है और जिसका नाम सदस्यों के रजिस्टर में दर्ज किया गया है।
3. Every person holding equity share capital of a company and whose names are recorded as beneficial owner in the depository records are considered as members of the concerned company. किसी कंपनी की इक्विटी शेयर पूंजी रखने वाला प्रत्येक व्यक्ति और जिसका नाम डिपॉजिटरी रिकॉर्ड में लाभकारी स्वामी के रूप में दर्ज है, को संबंधित कंपनी के सदस्य के रूप में माना जाता है।

From the above, it is clear that all the subscribers to the Memorandum are deemed to be the members of the company even though their names do not appear in the Register of Members.

But the Act provides that their names must be entered in the Register on its registration. As regards the second category of members, the criteria of membership are-

उपरोक्त से, यह स्पष्ट है कि मेमोरेंडम के सभी ग्राहकों को कंपनी का सदस्य माना जाता है, भले ही उनके नाम सदस्यों के रजिस्टर में नहीं हैं। लेकिन अधिनियम में प्रावधान है कि उनके नाम इसके पंजीकरण पर रजिस्टर में दर्ज किए जाने चाहिए। सदस्यों की दूसरी श्रेणी के संबंध में, सदस्यता के मानदंड हैं-

1. the person must have agreed in writing to become a member, and सदस्य बनने के लिए व्यक्ति को लिखित रूप में सहमत होना चाहिए, और

2. his name must have been entered in the Register of Members. If any one of the conditions is not satisfied, the person shall not be a member under this Act. उसका नाम सदस्यों के रजिस्टर में दर्ज होना चाहिए। यदि शर्तों में से कोई भी एक संतुष्ट नहीं है, तो व्यक्ति इस अधिनियम के तहत सदस्य नहीं होगा।

From the above, it is clear that all the subscribers to the Memorandum are deemed to be the members of the company even though their names do not appear in the Register of Members. But the Act provides that their names must be entered in the Register on its registration. As regards the second category of members, the criteria of membership are-

उपरोक्त से, यह स्पष्ट है कि मेमोरेंडम के सभी ग्राहकों को कंपनी का सदस्य माना जाता है, भले ही उनके नाम सदस्यों के रजिस्टर में नहीं हैं। लेकिन अधिनियम में प्रावधान है कि उनके नाम इसके पंजीकरण पर रजिस्टर में दर्ज किए जाने चाहिए। सदस्यों की दूसरी श्रेणी के संबंध में, सदस्यता के मानदंड हैं-

1. the person must have agreed in writing to become a member, and सदस्य बनने के लिए व्यक्ति को लिखित रूप में सहमत होना चाहिए, और

2. his name must have been entered in the Register of Members. If any one of the conditions is not satisfied, the person shall not be a member under this Act. उसका नाम सदस्यों के रजिस्टर में दर्ज होना चाहिए। यदि शर्तों में से कोई भी एक संतुष्ट नहीं है, तो व्यक्ति इस अधिनियम के तहत सदस्य नहीं होगा।

3. The legal representative of a deceased member is only a shareholder but not a member. To acquire membership, the legal representative of the deceased member should apply to the company and get his name registered in the register. मृत सदस्य का कानूनी प्रतिनिधि केवल एक शेयरधारक होता है लेकिन सदस्य नहीं। सदस्यता प्राप्त करने के लिए मृत सदस्य के कानूनी प्रतिनिधि को कंपनी में आवेदन करना चाहिए और उसका नाम रजिस्टर में दर्ज कराना चाहिए।

Who can become a member? कौन सदस्य बन सकता है?

The company law does not prescribe any disqualification, which would depart a person from becoming a member of a company. It appears that any person who is competent to enter into valid contract can become a member of a company. The reason is obvious. Subscribing for shares is basically a contract between the company and the shareholder. However, the Memorandum or Articles may impose certain restrictions or restrain certain persons from

acquiring membership in a company. In the absence of any express provision regarding the capacity of a person, the provisions of the Contract Act shall apply.

कंपनी कानून किसी भी अयोग्यता को निर्धारित नहीं करता है, जो किसी व्यक्ति को कंपनी का सदस्य बनने से रोकता है। ऐसा प्रतीत होता है कि कोई भी व्यक्ति जो वैध अनुबंध करने के लिए सक्षम है, कंपनी का सदस्य बन सकता है। वज़ह साफ़ है। शेयरों की सदस्यता मूल रूप से कंपनी और शेयरधारक के बीच एक अनुबंध है। हालाँकि, ज्ञापन या लेख कुछ प्रतिबंध लगा सकते हैं या कुछ व्यक्तियों को किसी कंपनी में सदस्यता प्राप्त करने से रोक सकते हैं। किसी व्यक्ति की क्षमता के संबंध में किसी स्पष्ट प्रावधान के अभाव में, अनुबंध अधिनियम के प्रावधान लागू होंगे।

As regards to certain special category of persons, the judiciary has laid down certain principles for acquiring membership in a company. They are as follows: कुछ विशेष श्रेणी के व्यक्तियों के संबंध में, न्यायपालिका ने एक कंपनी में सदस्यता प्राप्त करने के लिए कुछ सिद्धांत निर्धारित किए हैं। वे इस प्रकार हैं:

1. **Minors:** A minor, is not a competent person to enter into a valid contract. As such, he is disqualified to acquire membership. However, minors may be allotted shares. On attaining majority, the minor can avoid the contract. But the minor should repudiate the contract within a reasonable time.

1. **अवयस्क :** एक अवयस्क, वैध अनुबंध करने के लिए सक्षम व्यक्ति नहीं है। इस प्रकार, वह सदस्यता प्राप्त करने के लिए अयोग्य है। हालांकि, अवयस्कों को शेयर आवंटित किए जा सकते हैं। बालिग होने पर अवयस्क संविदा से बच सकता है। लेकिन नाबालिग को उचित समय के भीतर अनुबंध को अस्वीकार कर देना चाहिए।

2. **Lunatic and Insolvent:** A lunatic cannot become a member. An insolvent, however, can become a member and is entitled to vote at the meetings of the company. But his shares vest in the Official Receiver when he is adjudged insolvent.

2. **पागल और दिवालिया :** एक पागल सदस्य नहीं बन सकता। एक दिवालिया, हालांकि, सदस्य बन सकता है और कंपनी की बैठकों में वोट देने का हकदार है। लेकिन उसके शेयर आधिकारिक रिसीवर में निहित हो जाते हैं जब उसे दिवालिया घोषित कर दिया जाता है।

3. **Partnership Firm:** A partnership firm may hold shares in a company in the individual name of partners as joint holders. But the shares cannot be issued in the name of the partnership firm, as it is not a legal person in the eye of law.

3. **साझेदारी फर्म :** एक साझेदारी फर्म संयुक्त धारकों के रूप में भागीदारों के व्यक्तिगत नाम पर कंपनी में शेयर धारण कर सकती है। लेकिन शेयर साझेदारी फर्म के नाम पर जारी नहीं किए जा सकते, क्योंकि यह कानून की नजर में कानूनी व्यक्ति नहीं है।

4. **Company:** A company, being a legal person, can become the member of another company in its own name. But a company can subscribe for the shares of another company only when it is authorized by Memorandum. Similarly, a subsidiary company cannot buy the shares of its holding company.

4. **कंपनी :** एक कंपनी, एक कानूनी व्यक्ति होने के नाते, अपने नाम से दूसरी कंपनी की सदस्य बन सकती है। लेकिन एक कंपनी किसी अन्य कंपनी के शेयरों की सदस्यता तभी ले सकती है जब वह

मेमोरेण्डम द्वारा अधिकृत हो। इसी तरह, एक सहायक कंपनी अपनी होल्डिंग कंपनी के शेयर नहीं खरीद सकती है।

5. **Foreigners:** Foreign national can be members of companies registered in India. For that permission of RBI is mandatory. When he turns an alien enemy, his right as a member will be suspended.

5. **विदेशी :** विदेशी नागरिक भारत में पंजीकृत कंपनियों के सदस्य हो सकते हैं। इसके लिए आरबीआई की अनुमति अनिवार्य है। जब वह एक विदेशी दुश्मन बन जाता है, तो सदस्य के रूप में उसका अधिकार निलंबित कर दिया जाएगा।

6. **Fictitious Person:** A person who takes the shares in the name of fictitious person becomes liable as a member. Besides, such a person can be punished for impersonation under section 68-A.

6. **काल्पनिक व्यक्ति :** जो व्यक्ति **फर्जी व्यक्ति** के नाम पर शेयर लेता है, वह सदस्य के रूप में उत्तरदायी होता है। इसके अलावा, ऐसे व्यक्ति को धारा 68-ए के तहत प्रतिरूपण के लिए दंडित किया जा सकता है।

Difference between Member & Shareholder

MATTER	Member	Shareholder
Meaning	A person whose name is entered in the register of members of a company.	A person who owns the shares of the company.
Definintion	Companies Act, 2013 defines 'Member' under section 2(55)	Shareholder is not listed under the Companies Act, 2013
Share Warranges	The holder of the share warrant is not a member.	The holder of the share warrant is a Shareholder.
Company	Every company must have a minimum number of members.	The Company limited by shares can have shareholders
Memorandum	A person who signs the memorandum of association with the company becomes a member.	After signing the memorandum, a person can become a shareholder only if shares are allotted to him.